an>

Title: Need to open at least one branch of a nationalized bank in every gram panchayat in the country.

श्री हरीश मीना (दौसा) : सभापति महोदय, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। जब से केन्द्र में मोदी सरकार आई है, तब से लोक कल्याण की बहुत सारी नीतियां इन्होंने अपनाई हैं, परंतु इन नीतियों का पूरा लाभ तब मिलेगा, जब हर जगह बैंक हो, क्योंकि आज जो भी कल्याणकारी नीति है, चाहे पेंशन की हो, चाहे जनधन की हो, चाहे सब्सिडी की हो, सब बैंक खातों से जुड़ी हुई है। राजस्थान में समस्या यह है कि एक ब्रांच दूसरी ब्रांच से 25-30 किलोमीटर दूर है, दूरदराज के इलाके हैं, जैसे मेरी कांस्टीटुएंसी दौसा है, उसमें तीन रेवेन्यू डिस्ट्रिक्ट हैं - अलवर, दौसा और जयपुर। कोई ब्रांच नहीं है।

मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि अगर हर ग्राम पंचायत में एक नेशनलाइज बैंक की शाखा खुल जाए तो लोगों को उसका बहुत लाभ मिलेगा, क्योंकि एक ग्राम पंचायत में पांच-पांच गांव आते हैं। इसके लागू हो जाने से पूरे देश को इसका लाभ होगा। इसलिए मैं केन्द्र सरकार से विनती करूंगा कि कम से कम एक ग्राम पंचायत में एक नेशनलाइज बैंक की शाखा शीघ्रातिशीघ्र खोलें। धन्यवाद।

HON. CHAIRPERSON: Dr. Manoj Rajoria, Shri C.R. Chaudhary, Shri Ramesh Bidhuri, Shri Bhairon Prasad Mishra, Kunwar Pushpendra Singh Chandel, Shri P.P. Chaudhary, Shri Vinod Kumar Sonkar, Shri Sharad Tripathi and Shri Jagdambika Pal are permitted to associate with the issue raised by Shri Harish Meena.